

INDIRECT ILLUMINATION  
WITH NITROGEN - FILLED LAMPS

BY

J. F. ADAMSON

W. L. BORROUGHS

C. F. WRIGHT

ARMOUR INSTITUTE OF TECHNOLOGY

1915

621.32

Ad 1



**Illinois Institute  
of Technology  
UNIVERSITY LIBRARIES**

AT 358

Adamson, J. F.

Indirect illumination with  
nitrogen-filled lamps

**For Use in Library Only**







INDIRECT ILLUMINATION  
WITH NITROGEN - FILLED LAMPS

# A THESIS

PRESENTED BY

J. Friece Adamson

Walter L. Borroughs

Chester F. Wright  
TO THE

PRESIDENT AND FACULTY

OF

ARMOUR INSTITUTE OF TECHNOLOGY

FOR THE DEGREE OF

BACHELOR OF SCIENCE IN ELECTRICAL ENGINEERING

HAVING COMPLETED THE PRESCRIBED COURSE OF STUDY IN

ELECTRICAL ENGINEERING

*W. L. Borroughs*

*Approved*

*Prof. F. Everett Eng.*

*Approved*

*L. C. Morin*  
*Aug 10 1910*





## TABLE OF CONTENTS

Chapter I	Introduction	Page 1
Chapter II	Photometers	4
A.	Lumner - Brodhun	4
B.	Ulbricht Globe	5
C.	Sharp - Millar	9
Chapter III	Preliminary Calculations	12
A.	Calibration of Instruments	12
B.	Determination of Mean Spherical Candle-Power	13
C.	Efficiency of Lamp	15
D.	Calibration of Sharp - Millar	16
Chapter IV	Actual Work and Results	18
A.	Method of Procedure	
1.	Distribution Curves	18
2.	Absorption Coefficients	19
Appendix A	Schemes	21
Appendix B	Data Sheets	22 - 27
Appendix C	Curves	28 - 43

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	---

## PREFACE

In recent years, the development of illuminating engineering and the demand for illuminating engineers has increased rapidly. People in general, have come, at last, to realize that different classes of work require different forms of illumination. One of the latest accomplishments in this branch of engineering has been the development of the gas-filled bulb in connection with the metallic filament, and more particularly the growth of the nitrogen filled lamp. Owing to the fact that it is only recently that the nitrogen-filled lamps have been put on the market, complete sets of data and complete tests have not as yet been made. The lack of data on this form of lamp led the authors to use this as their thesis, with the results obtained and given in the text.

The authors wish to acknowledge their indebtedness to Professors Freeman and Marsh of the Electrical Department of the Armour Institute of Technology for their valuable suggestions

10

and assistance in the work. The authors are also under obligations to the Central Electric Co., The Macbeth-Evans Co. and the Gill Electric Co.

May, 1915.

... ..  
... ..  
... ..

... ..

## CHAPTER I

## Introduction

The study of the physiological requirements for satisfactory illumination has brought to light the shortcomings of the ordinary direct lighting. The harmful effects upon the eyes from the use of artificial exposed light may be divided into three parts. First, the heat effect: Light radiation is a form of energy and upon entering the eye is absorbed and converted into heat. While the power of ordinary illuminants is not sufficient to cause burns, it does cause eye fatigue and serious inflammation. The second harmful effect is due to the strain encountered by the eye when trying to perceive equally well both dark and light objects in a room. The magnitude of the strain on the eye depends upon the position of the light with reference to the eye; but nothing except the removal of the light from the range of vision will relieve the eyes of this strain.

1991-1992



The third harmful effect of exposed lighting is the fatigue due to annoying shadows. If the room is lighted with a single unit, there will be only one deep shadow; but if, as is more often the case, a number of units are distributed throughout the room, the eye is confronted with a multiplicity of light shadows which can not be avoided.

To eliminate these shortcomings of the common methods of illumination, numerous methods have been devised, foremost among which is indirect illumination. The resulting illumination protects the eye from direct heat rays. Since the light source is completely hidden, the pupil of the eye may expand freely, and so easily distinguish all objects equally well. Furthermore, shadows are eliminated to a more marked degree than is possible by any other of the present systems of illumination.

Indirect illumination unfortunately requires scientific planning and designing which is not



essential for direct lighting. With this object in view, a series of tests were carried out with an Alexlite fixture using a nitrogen filled bulb, to ascertain the most advantageous position of the filament with respect to the ceiling and also the position of the bowl with respect to the ceiling.



## CHAPTER II

## Photometers

In this test, three photometers were used: first, the Lumner-Brodhun photometer; second, the globe photometer and third, the Sharp-Miller photometer.

The Lumner-Brodhun photometer consists of an optical arrangement whereby the two sides of the screen can be viewed at the same time. A diffusing screen,  $SS'$ , Fig. I, of high refracting power, is placed with its plane normal to the photometric axis of the bench. The light reflected from the two sides of the screen  $SS'$  falls upon the mirrors  $M_1$  and  $M_2$  and is reflected along a normal to the surface of a triangular prism A and B. The observer looking through the telescopic tube O directed normally to B, clearly views a divided field illuminated partly by one source and partly by the other.

The rays from  $I_1$  pass directly through the central part of the prisms illuminating the

1. The first group of people who are interested in the study of the history of the world are the historians. They are people who study the past and try to understand what happened and why it happened. They use a variety of sources, including books, documents, and artifacts, to reconstruct the past. They also try to understand the people who lived in the past and how they thought and felt. Historians are interested in the past for a variety of reasons. Some are interested in the past because they want to know what happened and why it happened. Others are interested in the past because they want to understand the people who lived in the past and how they thought and felt. Still others are interested in the past because they want to learn from the mistakes of the past and avoid them in the future.

... ..

central portion of the field. The rays from  $I_2$  pass in the same way into the prism B and constitute the outer portion of the field of view. The paths of the light rays viewed through the eye-piece are indicated by full lines in Figure I. Those shown dotted from  $I_1$  are reflected by the prism B out of the line of vision while those represented by the dotted line from  $I_2$  pass directly through the prisms out of view. With this arrangement one observes a two-part illuminated field as shown at O.

Ulbricht Globe Photometer. One of the simplest and most satisfactory methods of measuring mean spherical intensities is by means of the globe photometer. The determination of the mean spherical candle power of light sources by a single measurement was accomplished by Ulbricht in 1900 after having derived the theorem that any area upon the inner surface of a sphere is illuminated by all other bright patches proportional to their brightness only,

1. 1990年10月10日

2. 1990年10月10日

3. 1990年10月10日

4. 1990年10月10日

5. 1990年10月10日

6. 1990年10月10日

7. 1990年10月10日

8. 1990年10月10日

9. 1990年10月10日

10. 1990年10月10日

11. 1990年10月10日

12. 1990年10月10日

13. 1990年10月10日

14. 1990年10月10日

15. 1990年10月10日

16. 1990年10月10日

17. 1990年10月10日

18. 1990年10月10日

19. 1990年10月10日

20. 1990年10月10日

21. 1990年10月10日

22. 1990年10月10日

23. 1990年10月10日

24. 1990年10月10日

25. 1990年10月10日



and irrespective of their position.

The globe photometer used was a hollow sphere 120 cm. in diameter. The frame of the globe is made in two hemispheres, being formed of office netting. The interior of the frame is lined with two thin coatings of asbestos, 0.1537 inches thick, one fastened to the netting with small wires and the other placed upon the first and secured to it by a silicon compound. The two hemispheres are rigidly held together by means of metal clamps.

An opening 46.356 cm. in diameter in the upper portion for inserting the lamps and a similar opening near the bottom for repairing the interior surface were provided for. The interior of the sphere was coated with white calcimine. One observation window, covered with a diffusing glass, was provided for, a little below the central horizontal position.

The general theory of the spherical photometer, as given by Dr. Block is as follows.

the first two cases, the first two terms of the series are equal to zero.

For the third case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the fourth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the fifth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the sixth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the seventh case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the eighth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the ninth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the tenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the eleventh case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twelfth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the thirteenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the fourteenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the fifteenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the sixteenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the seventeenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the eighteenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the nineteenth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twentieth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-first case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-second case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-third case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-fourth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-fifth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-sixth case, the first two terms of the series are equal to zero.

For the twenty-seventh case, the first two terms of the series are equal to zero.

When a source of light is placed inside a spherical shell having a matt surface, the light received by any part of the interior surface can be considered in two parts, the direct illumination from the light source, and the reflected illumination.

Assume a surface P (Fig. II) to be illuminated by radiation from a small luminous area  $dA$ , the brightness of which is  $B$ ; then the light received on a unit area at P is  $\frac{B \, dA \, \cos a \, \cos b}{l^2}$ ,  $a$  and  $b$  being the angles which  $l$  makes with the normals to the two surfaces. Let (Fig. III) represent a section through the photometer into which is inserted for measurement a lamp L, and consider the illumination of the surface at a point P by light reflected from a small area  $dA$ , and the circle shown be a section through the point P and the area  $dA$ , then the light received on  $dA$  from the lamp directly will be  $E_A \, dA$ , and the  $\int E_A \, dA = F$ , the total light emitted by the



lamp. The intensity of  $dA$  is  $kE_A$  since the surface is perfectly matt and throws the light in all directions equally,  $k$  being the reflecting constant for the surface. The light received from the surface  $dA$  at  $P$  once reflected is

$$F_A = \frac{k I_A dA \cos^2 a}{l^2} = \frac{k I_A dA}{4r^2}$$

Hence the illumination at  $P$  due to once reflected light from the whole surface of the

sphere will be  $\frac{k}{4r^2} \int E_A dA = \frac{k}{4r^2} F$ .

The illumination at  $P$  by light twice reflected will be  $\left(\frac{k}{4r^2}\right)^2 F$ .

The total illumination at  $P$  due to reflected light is  $F(k/4r^2 + (k/4r^2)^2 + (k/4r^2)^3 - \dots) = KF$  where  $K$  is the constant of the instrument and depends upon the size of the sphere and the quality of the interior surface.

Thus it can be seen that the illumination of the interior of the sphere is theoretically uniform and proportional to the total light emitted by the lamp; therefore if a small area be screened from the direct rays of the lamp,

... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..

... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..

... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..  
... ..

... ..

the remaining illumination of that area is proportional to the mean spherical candle power of the lamp.

Sharp - Miller Photometer. The Sharp - Millar photometer is the portable photometer most extensively used in this country. In it as embodied the characteristics of an ideal photometer. It has the best method of obtaining a photometric balance; it is portable, simple in operation, and is adaptable as a reliable source of light for a comparison standard. The sensitive photometric device is a modification of the Lumner Brodhun equality of brightness photometer, which is viewed through a collapsible telescopic eye-piece through the side of the box.

The photometrical balance is obtained by looking through the eyepiece and varying the distance between the comparison lamp and the photometric screen. The comparison lamp consists of a tungsten low voltage lamp of the battery type. In circuit with it are placed

1. The first part of the report is a general introduction to the project.

2. The second part is a detailed description of the methodology used.

3. The third part presents the results of the study.

4. The fourth part discusses the implications of the findings.

5. The fifth part concludes the report and provides recommendations.

6. The sixth part is a list of references.

7. The seventh part is an appendix containing additional data.

8. The eighth part is a glossary of terms.

9. The ninth part is a list of figures and tables.

10. The tenth part is a list of abbreviations.

11. The eleventh part is a list of symbols.

12. The twelfth part is a list of acronyms.

13. The thirteenth part is a list of footnotes.

14. The fourteenth part is a list of appendices.

15. The fifteenth part is a list of references.

16. The sixteenth part is a list of figures and tables.

17. The seventeenth part is a list of abbreviations.

18. The eighteenth part is a list of symbols.

19. The nineteenth part is a list of acronyms.



an ammeter and a small rheostat for regulating the current. By maintaining the current constant in the standard, the intensity is kept at the proper value.

The light from the comparison lamp falls upon a milk glass plate which is viewed through the eyepiece. The intensity of the light upon this plate is made to vary inversely as the square of the distance from the comparison source by making the inside of the box black and interposing a system of moving black screens which prevent any light from falling upon the plate except that which comes from the comparison source.

The scale upon which the readings are indicated is made of translucent celluloid and is illuminated by means of a small slit in the housing of the comparison lamp so that it may be read in dark places without the aid of other light. The scale is graduated with an inverse-square scale and is placed over a longitudinal opening in the side of the box



so that it may be observed from the outside. There is a shutter which may be dropped over the screen so that the observer will not be influenced by previous readings.

The elbow tube at the end of the box is fitted friction-tight on a collar so that it may be rotated through any angle about a horizontal axis. The angle is indicated by means of a pointer on the elbow and a semi-circular scale upon the box. The tube furnishes the simplest means of measuring illumination or light coming from and direction. A reversible plate is fixed in the elbow of the tube; one side of which may be used in measuring candle power; and the other side, which is a mirror may be used in measuring illumination.

Where intense illumination is to be measured an absorbing plate or screen is inserted between the elbow tube and the screen, thus bringing the illumination on the field to such a value that a balance may be obtained.



## CHAPTER III

## Preliminary Calculations

Probably the first thing to do in making a test of any kind is to calibrate the instruments to be used. In this test two voltmeters and two ammeters were used. By means of a potentiometer, it was found that one voltmeter read correctly, while the other was four-tenths of a volt high from one hundred volts up to one hundred and twenty volts. The ammeter used in the test was found to read three-hundredths of an ampere low between the limits of the current used in the test.

Having obtained calibrated instruments, the next step is to determine the mean spherical candle-power of the lamp which in this case was a nitrogen-filled, 300-watt tungsten lamp. This is done in the following manner: a calibrated vacuum lamp from the Electrical Testing Laboratory is used as a standard. In order that this lamp shall not be burned for

## THEORY OF THE EARTH

### CHAPTER I. OF THE EARTH.

1. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

#### SECTION I. OF THE EARTH.

1. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

2. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

3. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

4. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

5. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

6. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

7. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

8. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

9. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

10. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

11. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

12. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

13. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

14. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

15. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

16. The Earth is a sphere, or nearly a sphere, and is divided into two parts, the northern and southern hemispheres.

any great length of time, thus changing its candle power, a secondary standard is obtained. This is done by placing the standard lamp at one end of the photometer bench and the secondary standard at the other end with the photometer head midway between them. With this setting, the voltage on the secondary standard is changed until a balanced condition on the photometer is obtained; its horizontal candle-power in this particular position, and at this particular voltage is now equal to that of the original standard, and may itself be used as a primary standard. In this test, a 220c.p. vacuum lamp (#4577) was used as a primary standard and was to be worked at 110.4 volts and 2.075 amperes. The voltage of the secondary standard to give the same candle-power was found to be 111.24 volts.

The next step is to determine the mean horizontal candle-power (m.h.c.p.) of a lamp whose reduction factor is known. This is determined





The new standard is set at one end of the photometer bench in the proper position, and working at the voltage found (111.24). The comparison lamp is placed at the other end of the bench and is worked at 110 volts. By changing the position of photometer head, a balance can be obtained and the candle-power of the comparison lamp calculated from the equation:

$$I_x = I_o \frac{r_o^2}{r_x^2}, \text{ where}$$

$I_x$  = candle-power of comparison lamp

$I_o$  = candle-power of standard lamp

$r_x$  = distance between screen and comparison

$r_o$  = distance between screen and standard

This value having been obtained, the comparison lamp is rotated ten degrees at a time and the candle-power for each position is calculated. The average of the values obtained gives the m.h.c.p. The mean spherical candle-power (m.s.c.p.) is found by multiplying the m.h.c.p. by the reduction factor. The lamp used had a



m.h.c.p. of 210, and a reduction factor of .78. This gave the m.s.c.p. as 164.

To calibrate the globe photometer now is a simple matter. The lamp with the known m.s.c.p. is placed inside the globe and the Sharp-Millar photometer is set to read the m.s.c.p. directly. The voltage on the Sharp-Millar is then adjusted until the illumination on the screen is balanced. Thus a direct-reading photometer for m.s.c.p. is obtained, providing, of course, that the Sharp-Millar photometer is worked at the above determined voltage. If the comparison lamp is replaced by a lamp of unknown m.s.c.p. such as the nitrogen lamp, its m.s.c.p. can be directly determined by obtaining a balance on the S-M photometer by moving its lamp to or from the screen. The m.s.c.p. can be read directly from the scale. In the case of the nitrogen lamp, it was found to be 284 c.p.

In expressing the efficiency of a lamp, it has long been the custom to express it as so

1. The first of these is the fact that the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

the following is a list of the

many lumens per watt. The reason for this is simple and becomes apparent with a little consideration; with the recent development in shades, reflectors, etc. the h.c.p. has very little to do with the resultant illumination; it is the total number of lumens given off that affects this. The total number of lumens given off is equal to  $4\pi \times \text{m.s.c.p.}$  It was, therefore, for this lamp  $4\pi \times 278 = 3500$  lumens. The number of watts consumed was 269, and its efficiency was, therefore,  $\frac{3500}{269} = 13$  lumens per watt.

The lamp is now ready to be put in place and its distribution curve determined. Before doing this, however, it is necessary to calibrate the Sharp-Miller photometer, so that it will read foot-candles illumination directly. This is done in the following manner: A standard 32 c.p. lamp was used and placed at such a distance away that there was an illumination of one foot-candle on the photometer. This distance was determined from the



equation:

$$E = \frac{I}{r^2} \quad \text{and} \quad r = \sqrt{\frac{I}{E}}$$

$$I = 32 \text{ c.p.} \quad E = 1 \text{ ft. candle}$$

$$r = \sqrt{32} = 5.66'$$

The scale on the photometer was then set to read 1 ft. candle and a balance was obtained by adjusting the voltage to the proper value. If for any value of illumination, this current is kept at the above value and the photometer lamp is adjusted to a balance, the scale will read the foot-candles illumination directly. For very low illumination, the photometer lamp is too bright and a screen must be used. The screen used in this case was found to multiply the actual illumination by 18.74; i.e., the scale reading must be divided by 18.74 to get the true illumination.





## CHAPTER IV

## Actual Work and Results

The main purpose of this test was to determine the proper relation of the ceiling, lamp and bowl with respect to each other. To do this, a series of runs were made for different positions and the distribution curves plotted. The stations or points of measurement were three feet apart to a distance of twenty-one feet. A group of data was taken under the following conditions: the size of the ceiling was fixed at 6' 0" x 6' 0"; second, the distance between the ceiling and lamp was fixed; and third, six positions of the bowl with respect to the ceiling were used and curves plotted. This set of data comprises the group of curves given on Chart #I. Similar groups of curves were plotted for seven other distances between the lamp and the ceiling, and the results plotted and given in Charts #1 to #8 inclusive. A similar set

THE HISTORY OF THE

REIGN OF

CHARLES THE FIRST  
IN WHICH ARE CONTAINED  
THE  
MOST IMPORTANT  
TRANSACTIONS OF HIS REIGN  
FROM THE  
BEGINNING OF HIS MARRIAGE  
UNTIL HIS DEATH  
IN THE YEAR 1649  
BY  
JOHN BURNET  
BISHOP OF SALISBURY  
AND  
OF ELY  
IN TWO VOLUMES  
THE SECOND VOLUME  
LONDON  
Printed by J. Streater, at the Sign of the Gun, in St. Dunstons Church-yard, 1724

of data, as above mentioned, was taken for a smaller ceiling which was 4' 3" in diameter. The results obtained were plotted and are given in Charts #1<sub>a</sub> to #7<sub>a</sub> inclusive.

A secondary purpose of this test was to determine the distribution curves of several enclosing globes for nitrogen lamps and to determine the absorption coefficient of each. Three enclosed globes were used, one from the Macbeth Co. and two acorns of different size from the Gill Co. A distribution curve was also taken for an X-Ray reflector. These curves are all given on Chart A. To determine the absorption coefficient, the bare lamp was placed inside the globe potentiometer and the Sharp-Millar photometer was read. The enclosing globe was then placed over the lamp and the photometer read again. The ratio of these two readings gave the percent light transmitted, and 100% minus this gave the absorption coefficients. These latter tests were made with a 200-watt



nitrogen lamp.

A summary of the important facts relating to this test is given below.

Best position of lamp	(	
and bowl with respect	(	Lamp 21 " below ceiling
to 6' 0" ceiling	(	Bowl 23.75" " "
	(	

Best position of lamp	(	
and bowl with respect	(	Lamp 14.5" below ceiling
to 4' 3" ceiling	(	Bowl 17.25" " "
	(	

Absorption Coefficient of Macbeth globe = 15.6%

"	"	"	Gill large acorn = 21.9%
"	"	"	" small " = 27.5%

1900-1901

History of the Department of the Interior

and its various branches

1. Position of land  
2. Position of land  
3. Position of land  
4. Position of land  
5. Position of land  
6. Position of land  
7. Position of land  
8. Position of land  
9. Position of land  
10. Position of land

1. Position of land  
2. Position of land  
3. Position of land  
4. Position of land  
5. Position of land  
6. Position of land  
7. Position of land  
8. Position of land  
9. Position of land  
10. Position of land

1. Position of land  
2. Position of land  
3. Position of land  
4. Position of land  
5. Position of land  
6. Position of land  
7. Position of land  
8. Position of land  
9. Position of land  
10. Position of land



1950

Department of the Interior

Washington, D.C.

Division of Land  
and Water  
Conservation  
Bureau of Land Management  
Washington, D.C.

Division of Land  
and Water  
Conservation  
Bureau of Land Management  
Washington, D.C.

Division of Land  
and Water  
Conservation  
Bureau of Land Management  
Washington, D.C.





# M.H.C.P. of SECONDARY STANDARD.

Scale Reading	Degrees	Scale Reading	Degrees	Scale Reading	Degrees	Scale Reading	Degrees	Scale Reading	Degrees
126.8	0	126.6	80	125.7	160	125.9	240	125.7	320
125.8	10	126.8	90	126.7	170	126.8	250	129.4	330
126.4	20	125.9	100	125.7	180	125.7	260	126.0	340
128.0	30	126.6	110	126.6	190	127.8	270	126.4	350
125.8	40	127.5	120	126.1	200	126.8	280	126.6	360
126.9	50	125.6	130	125.5	210	125.7	290		
126.3	60	126.6	140	126.5	220	126.5	300		
126.3	70	127.4	150	125.7	230	125.6	310		

M.H.C.P. = 210.4

M.S.C.P. = 164.0

M.S.C.P. of 300 watt nitrogen-filled bulb = 277.9

Volts = 110.

Amperes = 2.45

Efficiency = 12.98 lumens per watt.

M.S.C.P. of 200 watt nitrogen-filled bulb = 279.8

Volts = 115.

Amperes = 1.975

Efficiency = 15.40 lumens per watt.

**FT.-CANDLE ILLUMINATION ON PLANE 13 FT. FROM REFLECTING SURFACE, (6"x6").**  
**300 WATT NITROGEN-FILLED BULB WITH INDIRECT FIXTURE.**

DISTANCE FROM CEILING TO		STATIONS, (3' APART)							
BOTTOM OF BOWL	CENTER OF FLUORESCENT	1	2	3	4	5	6	7	8
23.75"	21"	2.34	2.13	1.73	1.05	0.61	0.32	0.19	0.12
24.25"		2.18	2.00	1.51	1.03	0.61	0.32	0.19	0.12
24.875"		2.05	1.89	1.40	0.93	0.53	0.32	0.18	0.12
25.5"		1.95	1.75	1.30	0.84	0.48	0.28	0.17	0.10
26.15"		1.95	1.71	1.19	0.68	0.36	0.26	0.17	0.10
26.75"		1.66	1.58	1.18	0.72	0.34	0.24	0.15	0.09
23.25"	20.5"	2.19	2.02	1.42	0.94	0.53	0.30	0.17	0.11
23.75"		2.10	1.86	1.36	0.85	0.53	0.27	0.17	0.11
24.375"		1.99	1.77	1.36	0.73	0.49	0.28	0.18	0.10
25.0"		2.05	1.78	1.36	0.73	0.49	0.28	0.16	0.10
25.65"		2.06	1.81	1.24	0.82	0.46	0.28	0.16	0.10
26.25"		1.84	1.61	1.22	0.77	0.45	0.27	0.15	0.09
22.25"	19.5"	2.27	1.93	1.53	0.94	0.56	0.34	0.19	0.12
22.75"		2.14	1.91	1.43	0.92	0.49	0.31	0.18	0.11
23.375"		2.12	1.75	1.40	0.89	0.49	0.28	0.17	0.10
24.0"		2.01	1.82	1.33	0.86	0.44	0.28	0.17	0.10
24.65"		1.93	1.61	1.29	0.75	0.46	0.26	0.16	0.10
25.25"		1.87	1.67	1.17	0.74	0.43	0.25	0.15	0.09
21.25"	18.5"	2.26	1.95	1.58	0.97	0.54	0.31	0.20	0.12
21.75"		2.15	1.97	1.49	0.94	0.52	0.30	0.18	0.11
22.375"		2.15	1.90	1.31	0.86	0.50	0.29	0.18	0.11
23.0"		2.06	1.84	1.33	0.90	0.48	0.29	0.15	0.11
23.65"		2.03	1.74	1.30	0.85	0.49	0.29	0.17	0.11
24.25"		1.82	1.76	1.24	0.81	0.43	0.27	0.16	0.11

FT.-CANDLE ILLUMINATION ON PLANE 13 FT. FROM  
REFLECTING SURFACE (6'x6').  
300 WATT NITROGEN-FILLED BULB WITH INDIRECT FIXTURE.

DISTANCE FROM CEILING TO BOTTOM CENTER OF BOWL FILAMENT		STATIONS, (3' APART)							
		1	2	3	4	5	6	7	8
20.25"	17.5"	2.13	1.99	1.49	0.99	0.50	0.32	0.19	0.13
20.75"		2.08	1.99	1.49	0.96	0.49	0.30	0.19	0.13
21.375"		2.15	1.99	1.50	0.95	0.51	0.30	0.17	0.13
22.0"		2.08	1.90	1.26	0.77	0.43	0.25	0.14	0.09
22.65"		1.96	1.66	1.23	0.74	0.40	0.25	0.17	0.10
23.25"		1.85	1.66	1.23	0.74	0.40	0.23	0.15	0.09
19.25"	16.5"	2.20	2.05	1.55	0.94	0.53	0.33	0.18	0.11
19.75"		2.23	2.06	1.46	0.92	0.50	0.32	0.19	0.13
20.375"		2.11	1.97	1.34	0.86	0.49	0.28	0.17	0.11
21.0"		1.97	1.78	1.24	0.76	0.46	0.28	0.14	0.10
21.65"		1.83	1.65	1.20	0.73	0.43	0.26	0.15	0.09
22.25"		1.89	1.63	1.18	0.79	0.41	0.26	0.15	0.10
18.25"	15.5"	2.24	2.09	1.52	0.91	0.53	0.32	0.20	0.12
18.75"		2.11	2.00	1.41	0.88	0.52	0.30	0.18	0.10
19.375"		2.02	1.88	1.44	0.92	0.51	0.28	0.18	0.10
20.0"		1.99	1.83	1.31	0.88	0.45	0.27	0.17	0.10
20.65"		1.93	1.77	1.34	0.87	0.49	0.29	0.18	0.12
21.25"		1.99	1.83	1.34	0.90	0.50	0.30	0.17	0.11
17.25"	14.5"	2.37	2.13	1.52	1.00	0.53	0.34	0.19	0.12
17.75"		2.23	2.02	1.48	1.01	0.52	0.33	0.20	0.13
18.375"		2.18	1.98	1.50	1.00	0.52	0.32	0.20	0.12
19.0"		2.19	1.99	1.42	0.93	0.49	0.31	0.19	0.11
19.65"		2.06	2.00	1.44	0.90	0.49	0.31	0.19	0.12
20.25"		1.92	1.72	1.26	0.86	0.46	0.29	0.16	0.11

FT. CANDLE ILLUMINATION ON PLANE 13 FT. FROM  
REFLECTING SURFACE, (DIAM. 4.25').  
300 WATT NITROGEN-FILLED BULB WITH INDIRECT FIXTURE.

DISTANCE FROM CEILING TO		STATIONS (3'apart).							
BOTTOM OF BOWL	CENTER OF FLAME	1	2	3	4	5	6	7	8
23.25"	20.5"	1.40	1.35	1.03	0.61	0.38	0.22	0.12	0.09
23.75"		1.31	1.28	0.96	0.55	0.35	0.21	0.12	0.09
24.375"		1.33	1.25	0.90	0.54	0.32	0.21	0.12	0.09
25.0"		1.26	1.23	0.90	0.54	0.35	0.21	0.12	0.08
25.65"		1.26	1.23	0.88	0.53	0.32	0.19	0.12	0.08
26.25"		1.23	1.12	0.84	0.50	0.30	0.19	0.12	0.07
22.25"	19.5"	1.38	1.33	0.95	0.56	0.35	0.24	0.14	0.08
22.75"		1.34	1.25	0.92	0.54	0.31	0.21	0.13	0.08
23.375"		1.34	1.26	0.96	0.54	0.34	0.22	0.13	0.08
24.0 "		1.33	1.22	0.94	0.53	0.34	0.21	0.12	0.09
24.65"		1.29	1.26	0.96	0.54	0.34	0.22	0.12	0.08
25.25"		1.31	1.13	0.91	0.53	0.31	0.21	0.12	0.08
21.25"	18.5"	1.65	1.44	1.13	0.71	0.38	0.24	0.16	0.09
21.75"		1.64	1.42	1.09	0.70	0.37	0.23	0.14	0.08
22.375"		1.45	1.34	0.95	0.68	0.36	0.23	0.14	0.08
23.0"		1.35	1.17	0.93	0.54	0.32	0.21	0.14	0.08
23.65"		1.31	1.13	0.93	0.54	0.33	0.21	0.12	0.08
24.25"		1.31	1.14	0.90	0.52	0.34	0.20	0.13	0.08
20.25"	17.5"	1.61	1.45	1.13	0.72	0.41	0.24	0.15	0.08
20.75"		1.53	1.39	1.09	0.69	0.39	0.23	0.14	0.08
21.375"		1.51	1.41	1.04	0.65	0.37	0.23	0.14	0.08
22.0 "		1.32	1.23	0.97	0.62	0.33	0.19	0.12	0.07
22.65"		1.35	1.25	0.94	0.60	0.33	0.21	0.13	0.07
23.25"		1.34	1.18	0.87	0.56	0.32	0.21	0.12	0.07

**FT. CANDLE ILLUMINATION ON PLANE 13 FT. FROM  
REFLECTING SURFACE (DIAM. 4.25').  
300 WATT NITROGEN-FILLED BULB WITH INDIRECT FIXTURE.**

DISTANCE FROM CEILING TO BOTTOM CENTER OF BULB FILAMENT		STATIONS (3' apart)							
		1	2	3	4	5	6	7	8
19.25"	16.5"	1.53	1.41	1.01	0.66	0.34	0.22	0.13	0.09
19.75"		1.46	1.30	1.00	0.62	0.32	0.20	0.13	0.08
20.375"		1.38	1.23	0.95	0.60	0.33	0.22	0.13	0.08
21.0"		1.32	1.19	0.93	0.62	0.32	0.21	0.13	0.08
21.65"		1.31	0.18	0.89	0.56	0.33	0.19	0.13	0.08
22.25"		1.21	1.09	0.84	0.54	0.30	0.18	0.12	0.07
18.25"	15.5"	1.91	1.79	1.31	0.77	0.40	0.24	0.15	0.08
18.75"		1.69	1.50	1.16	0.69	0.39	0.22	0.13	0.09
19.375"		1.73	1.52	1.14	0.71	0.39	0.22	0.15	0.09
20.0"		1.79	1.50	1.15	0.68	0.37	0.23	0.14	0.09
20.65"		1.51	1.38	1.13	0.62	0.35	0.20	0.14	0.08
21.25"		1.56	1.47	1.16	0.71	0.40	0.24	0.15	0.09
17.25"	14.5"	1.88	1.81	1.26	0.91	0.49	0.27	0.17	0.12
17.75"		1.94	1.72	1.22	0.83	0.43	0.25	0.15	0.10
18.375"		1.71	1.54	1.15	0.77	0.41	0.26	0.15	0.10
19.0"		1.57	1.38	1.12	0.70	0.39	0.25	0.14	0.10
19.65"		1.52	1.41	1.02	0.70	0.36	0.22	0.14	0.09
20.25"		1.42	1.31	1.01	0.70	0.35	0.20	0.14	0.08

FT.-CANDLE ILLUMINATION ON PLANE 14 FT. FROM CEILING.  
 200 WATT NITROGEN-FILLED LAMP WITH DIFFERENT ENCLOSING GLOBES.  
 CENTER OF GLOBES 2 FT. FROM CEILING.

*MACBETH*

STATIONS	1	2	3	4	5	6	7	8
FT.-CANDLES	3.04	1.95	1.62	1.00	0.61	0.42	0.27	0.18

*200 WATT ACORN*

STATIONS	1	2	3	4	5	6	7	8
FT.-CANDLES	2.14	1.88	1.36	0.85	0.53	0.31	0.21	0.13

*100 WATT ACORN*

STATIONS	1	2	3	4	5	6	7	8
FT.-CANDLES	2.33	2.03	1.55	1.05	0.61	0.39	0.25	0.17

*X-RAY REFLECTOR WITH 100 WATT VACUUM BULB.*

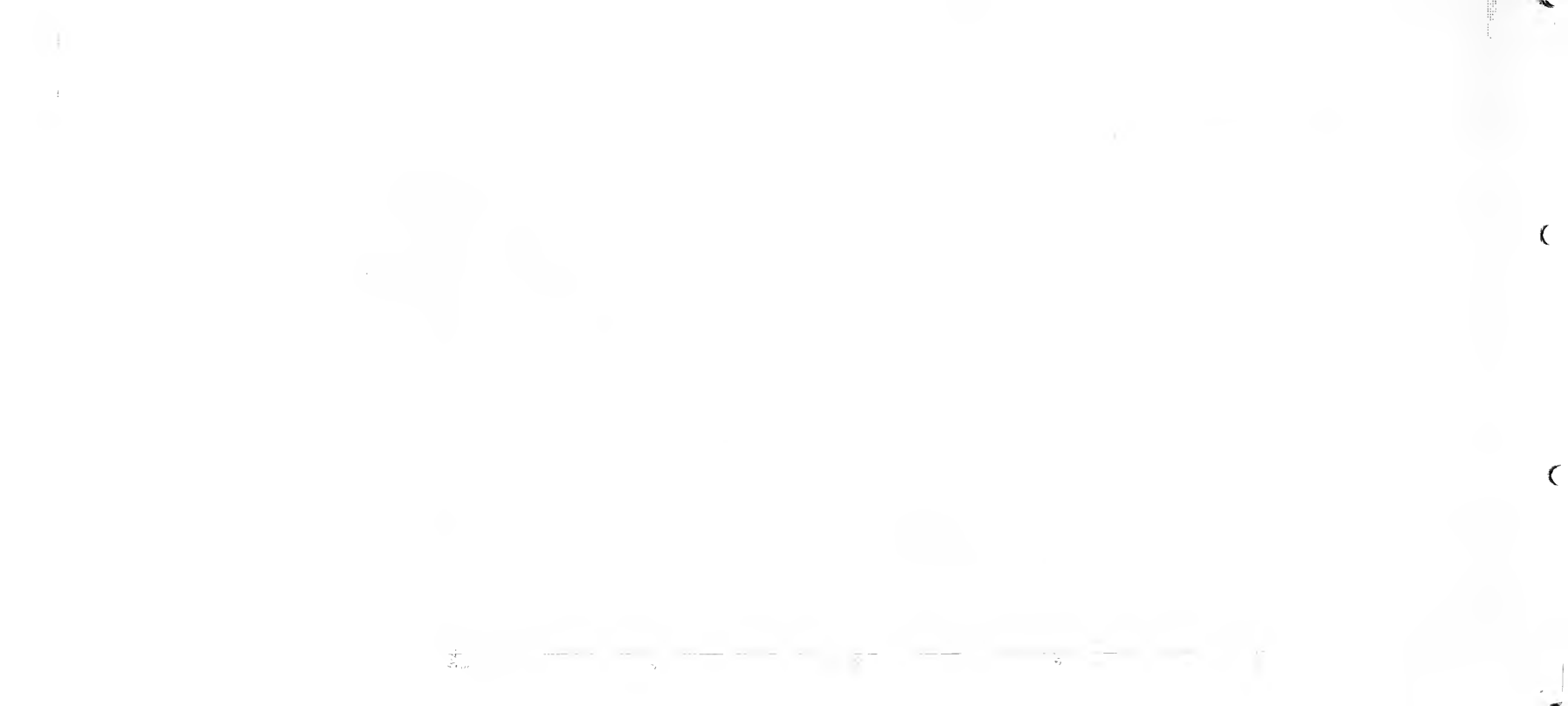
STATIONS	1	2	3	4	5	6	7	8
FT.-CANDLES	0.38	0.46	0.63	0.53	0.41	0.24	0.18	0.09

*ABSORPTION COEFFICIENTS*

	BARE BULB	Bulb enclosed by Macbeth globe	Bulb enclosed by 200 watt Acorn	Bulb enclosed by 100 watt Acorn
M.S.C.P.	200	168.8	156.3	145.0
% Absorption		15.6 %	21.9 %	27.5 %







1. The first part of the paper is devoted to a general discussion of the problem.

2. The second part is devoted to a detailed study of the case of a single particle.

3. The third part is devoted to a study of the case of a system of particles.

4. The fourth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

5. The fifth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

6. The sixth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

7. The seventh part is devoted to a study of the case of a system of particles.

8. The eighth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

9. The ninth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

10. The tenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

11. The eleventh part is devoted to a study of the case of a system of particles.

12. The twelfth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

13. The thirteenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

14. The fourteenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

15. The fifteenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

16. The sixteenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

17. The seventeenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

18. The eighteenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

19. The nineteenth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

20. The twentieth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

21. The twenty-first part is devoted to a study of the case of a system of particles.

22. The twenty-second part is devoted to a study of the case of a system of particles.

23. The twenty-third part is devoted to a study of the case of a system of particles.

24. The twenty-fourth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

25. The twenty-fifth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

26. The twenty-sixth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

27. The twenty-seventh part is devoted to a study of the case of a system of particles.

28. The twenty-eighth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

29. The twenty-ninth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

30. The thirtieth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

31. The thirty-first part is devoted to a study of the case of a system of particles.

32. The thirty-second part is devoted to a study of the case of a system of particles.

33. The thirty-third part is devoted to a study of the case of a system of particles.

34. The thirty-fourth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

35. The thirty-fifth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

36. The thirty-sixth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

37. The thirty-seventh part is devoted to a study of the case of a system of particles.

38. The thirty-eighth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

39. The thirty-ninth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

40. The fortieth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

41. The forty-first part is devoted to a study of the case of a system of particles.

42. The forty-second part is devoted to a study of the case of a system of particles.

43. The forty-third part is devoted to a study of the case of a system of particles.

44. The forty-fourth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

45. The forty-fifth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

46. The forty-sixth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

47. The forty-seventh part is devoted to a study of the case of a system of particles.

48. The forty-eighth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

49. The forty-ninth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

50. The fiftieth part is devoted to a study of the case of a system of particles.

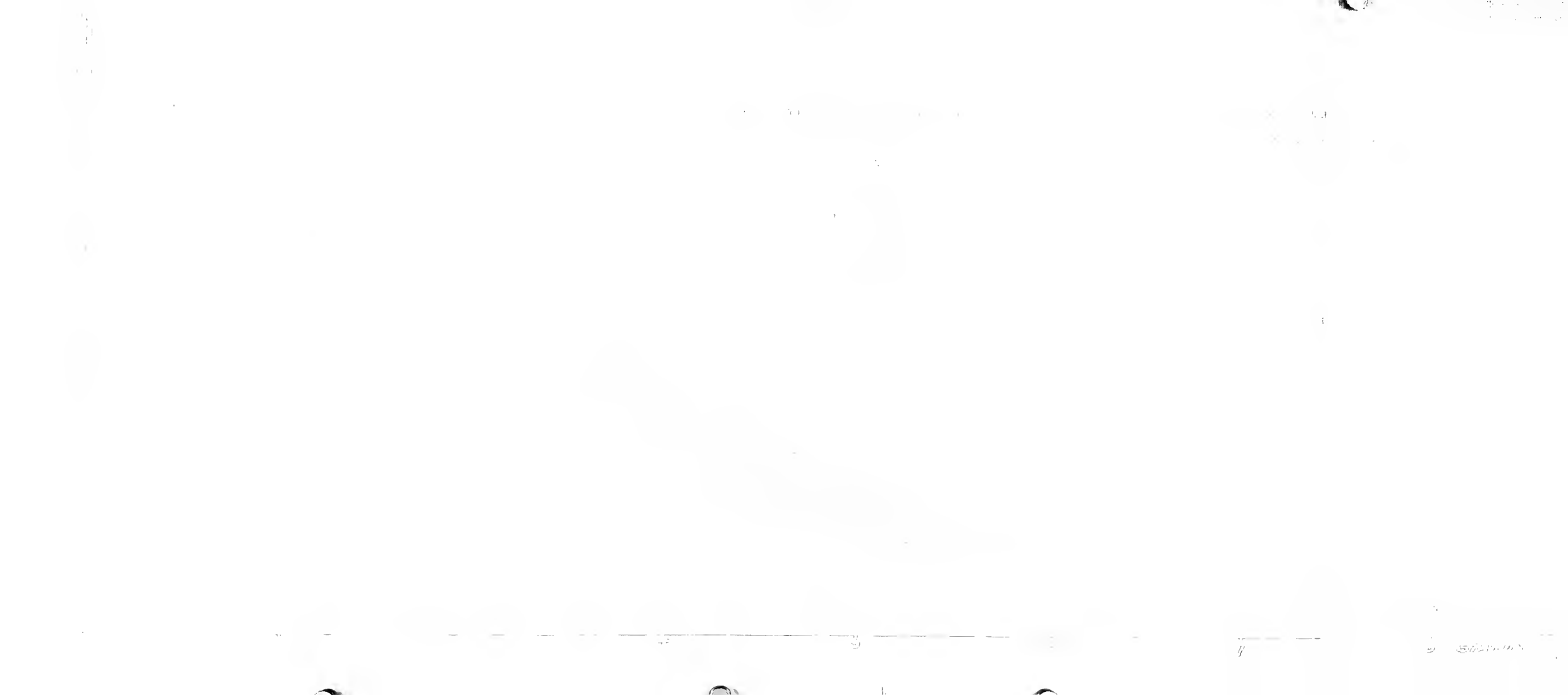
















Mathematical Analysis

Chapter 1

1.1

1.2

1.3

1.4

1.5

1.6

1.7

1.8

1.9

1.10

1.11

1.12

1.13

1.14

1.15

1.16

1.17

1.18

1.19

1.20

1.21

1.22

1.23

1.24

1.25

1.26

1.27

1.28

1.29

1.30

1.31

1.32

1.33

1.34

1.35

1.36

1.37

1.38

1.39

1.40

1.41

1.42

1.43

1.44

1.45

1.46

1.47

1.48

1.49

1.50

1.51

1.52

1.53

1.54

1.55

1.56

1.57

1.58

1.59

1.60

1.61

1.62

1.63

1.64

1.65

1.66

1.67

1.68

1.69

1.70

1.71

1.72

1.73

1.74

1.75

1.76

1.77

1.78

1.79

1.80

1.81

1.82

1.83

1.84

1.85

1.86

1.87

1.88

1.89

1.90

1.91

1.92

1.93

1.94

1.95

1.96

1.97

1.98

1.99

1.100

1.101

1.102

1.103

1.104

1.105

1.106

1.107

1.108

1.109

1.110

1.111

1.112

1.113

1.114

1.115

1.116

1.117

1.118

1.119

1.120

1.121

1.122

1.123

1.124

1.125

1.126

1.127

1.128

1.129

1.130

1.131

1.132

1.133

1.134

1.135

1.136

1.137

1.138

1.139

1.140

1.141

1.142

1.143

1.144

1.145

1.146

1.147

1.148

1.149

1.150

1.151

1.152

1.153

1.154

1.155

1.156

1.157

1.158

1.159

1.160

1.161

1.162

1.163

1.164

1.165

1.166

1.167

1.168

1.169

1.170

1.171

1.172

1.173

1.174

1.175

1.176

1.177

1.178

1.179

1.180

1.181

1.182

1.183

1.184

1.185

1.186

1.187

1.188

1.189

1.190

1.191

1.192

1.193

1.194

1.195

1.196

1.197

1.198

1.199

1.200

1.201

1.202

1.203

1.204

1.205

1.206

1.207

1.208

1.209

1.210

1.211

1.212

1.213

1.214

1.215

1.216

1.217

1.218

1.219

1.220

1.221

1.222

1.223

1.224

1.225

1.226

1.227

1.228

1.229

1.230

1.231

1.232

1.233

1.234

1.235

1.236

1.237

1.238

1.239

1.240

1.241

1.242

1.243

1.244

1.245

1.246

1.247

1.248

1.249

1.250

1.251

1.252

1.253

1.254

1.255

1.256

1.257

1.258

1.259

1.260

1.261

1.262

1.263

1.264

1.265

1.266

1.267

1.268

1.269

1.270

1.271

1.272

1.273

1.274

1.275

1.276

1.277

1.278

1.279

1.280

1.281

1.282

1.283

31 - - - - - 42 - - - - - 53 - - - - - 64 - - - - - 75

SP-100

